

न न सवद्र क सुखकन वि विव्य विव्य वन ताद्र श्व च
आन दत द मन वि सुत कनः सम मान धि ति त्व न ज्ञ ॥
॥॥ अके न प्रां के द्र ग मि ति रत्न न भू य वि द धू म ग मि
रुत दान १ रत्न न र नी य मि अ रत्न नि य ति भू त ग न व
ति न भू त न ॥ २ ॥ र ति र शि त भू त मि न व द्र य गी त मः द ग
सुत स म व १ ॥ ३ ॥ सुत व दि र गु मी मि ५ का या मा त ल नि स

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१ नाग का किः य ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ क श्री कृष्णाय नमः ॥ त्रिदश
सप्तमुख १ इति ति सप्त सप्तमात्राव दूषः ॥ १ ॥
नाम सप्त निमुख सक्तिः ॥ गायत्र्यवनमात्रा ३ भा य जृति कृत्वापि
नी व्याति निवाता ॥ गान सप्तवय ॥ २ ॥ ॥ गान त्रयका समतः ॥ यतिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१ नाग का १ च द सप्त न सिं ह द वी मित्राव ॥ गान सप्तवय ॥ ३ ॥
१ नाग का लाः ॥ त्रिक ॥ गान यति ॥ माने गान निरु त्रि त्रा यत्र ॥ १ ॥ सु
त्रम् नित्रा त्रु दन त्र मात्र सत्र ॥ १ ॥ कथी त्र ॥ १ ॥ गान सप्तवय ॥
मत्रम् ॥ १ ॥ गान १ ॥ गानानन प्रह त्रु दति रवन भादय ॥ २ ॥
भादक ॥ १ ॥ कथय सप्तवयमात्रा कत्रय ॥ विधिनी सत्र न त्रु मीददा
भादक वत्रम् ॥ ३ ॥ नृपत्रु गाना त्रिक दयति ॥ नृमानय ॥ गान का त्रव

कुं न म गी सा न दा य ॥ ॐ दु दी दे ॥ व न व वंदी त र द
य म दे सा स नी ही ना य नी गुरु म डू ता य ॥ क सु नी क
क ॥ रु सु बा गी त द रु दे वी ॥ ते सा न दा स क न सि द्धी त
दान मा मी ॥ इ मा न य ॥ वि म न र्सी ॥ थी त र न न यी न य
न म द न न र्जा ॥ त म ता न लु यी ॥ ॐ का मी र्सी रु व न ॥ ॐ

न वी ॥ ॐ न र्जा ॥ ते सा ॥ २ वे द न न न गुरु न र्सी ॥ वृ य का
सी ॥ थी नी वा गी व ति ती रु व न ॥ ॐ न वी सु लु यी सा र्व न
वे स क ॥ न य रु क ॥ जा रु मा ता ॥ ते सा ॥ ३ ॥ न र्जा ती न
म स र्सी वृ न क ता ॥ ॐ न र्जा ॥ वा नी म न रु न सु ता रि त वि
य ॥ नी ता य ता न य न व ॥ ॐ ता सा ता रि ॥ ते सा ॥ १ ॥

संपु ॐ काष्ठ नै व म क सा त दा स्य य ता न म स्य ग्री द सा त य
य नी त नी म सा दि वा क स त रि व ति स व य नी ॥ १ ॥
सा ॥ १ ॥ स सा न सा त व व न ॥ त व शु यु स ने दे वा स ता ज व
स ता खी य कि न न न य म नी न थ त वा व न सि द्धि य
नी ॥ ति सा ॥ ३ ॥ क व त य म य जि व नी त ता म्ना ता दि व म्भ स
व ॥ २ ॥ स व ॥ २ ॥ स ता व न गु ति न सा मा दु सा वा नु द

व ता नि इ ज्ञा न्ता या आ खे द व ॥ सा मि त वा इ ज्ञा न्ता
वा स ग त व द न व यी त नी नी र्थ पु दा मा सी त सा त व
भ क्क शा न ॥ ति सा ॥ १ ॥ ॥ य ता व क्क य म त व रु दी त ता
श्रीः स र्व सा ध क र ना ॥ स ग ति म्भ भ वः स ग म्भ न
ग म्भ रु व दू य वी ना सं का ति ॥ ति सा ॥ ६ ॥ ॥ ॐ ती सा त
दा य स मा क ॥ ७ ॥ ॥ स ॥ स व ॥ ७ ॥ ॥

१ नाग कुताव ॥ फ न विनीदित मयि : दात्र मू दार् ॥
स मगु तेनु ॥ तनू त तिहा रें हरी रा श्री कावी रह तव के
सव ॥ १ ॥ सत्र स ममन मयी मत्र म त्रय के ॥ पु ॥ ति विव
मिवव पुसि स ॥ २ ॥ ॥ श्रुति द वन मनु ॥ य मय त्रिन ह
मदन दहन जीव दह ति सदा है ॥ ३ ॥ दि ॥ दी ॥ जीवी की

[illegible]

१॥ अ क भ य ती या ती ॥३॥ न प रु ग भू ति के द्रु ग द्वि मा प्रा
 २॥ ॥२॥ रा ग ङ द या ग ति ना भ ज म र्च क ता भ ॥५॥
 ३॥ मि र म ती न रु ता कि ने न सी दू य र दि न क न ड दि त म
 ४॥ दि त ङ व द्वा य ॥१॥ न प रु ग भू ति के द्रु ग भ व न मा दि २
 ५॥ अ ङ गि न द य क दू ति त व दा लि ॥२॥

रसो वा मातु कत ॥ यद्गद नद नत्वा द गिर कधत च द सख नव
दना भः रमिते रस मय कय स द सि वना चरुता उ नि र खल
दि ज वा भ ॥ १॥ दूय दूगून मख स द्री र त ता न्ध नः सा धव
म न्न वत्ता व २ म नो ज न ग व ले सु सा व द टी क ज म न वी
र सो ज र न ज शि ॥ २ ॥ ज न य गि ज न य ति दू ज न क य न

हः सान द नि न वि म न ग ग न स य न र त र क न क
वी धि र ति ॥ क वी न प द न न न म ॥ ३ ॥ र ग त प क
स र नः च द स्या व न न र ग ति मू म ति धि वि
सा न २ र ग त र न नि न स ध क ज री मा ता प न क न न
जि धू वा व ॥ ४ ॥ द न ज ति ग प तिः कृ त पृ त शी तः जि

रसो वा मातु कत ॥ यद्गद नद नत्वा द गिर कधत च द सख नव

न वदनीय मन्त्रः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ विष्णु क मन्त्रः विष्णु क म
देवि क त्रि तर्जु त ५१५ ॥ १ ॥ विष्णु क मन्त्रः विष्णु क म
मो य त्रिः ५ व दि न व त्रिः क र य य द श जः ५ वानु
५ २ रत क र य त्रिः ५ वनी तं नः ५ न स द्धि सु न द्धि
देवा ॥ २ ॥ त्र य क र न ॥ त्र य क र न म यः विष्णु क म
विष्णु

त्रिः मू नि त्र न क र गू न ग म्भः ५ २ उ त्र ग ती व द व ल वा त्रि
व त्रि व त्रः ५ ३ ५ व क न ल ५ ३ ॥ ३ ॥ र व ५ ३ ५ व
म नः ५ ३ ५ व म ५ ३ ५ व त्रि ५ ३ ५ व नः ५ ३ ५ व
२ ५ ३ ५ व त्रि व त्रिः ५ ३ ५ व क न ल ५ ३ ५ व
५ ३ ५ व ॥ ५ ॥ ५ ३ ५ व ५ ३ ५ व ५ ३ ५ व